Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to increase the compensation amount to be paid by the govrnment to the farmers of Aurangabad, whose crops are damaged due to heavy rainfall.

श्री सय्यद ईमत्याज़ जलील (औरंगाबाद): महोदय, मैं महाराष्ट्र के किसानों के ताल्लुक से आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा ।

सभापति जी, हम बड़ी-बड़ी स्कीम किसानों के नाम पर चाहे वह राज्य में हो या केन्द्र में हो, शुरू करते हैं, लेकिन जब किसानों के ऊपर आफत आती है और इस हद तक आफत आती है कि वह अपनी जान गंवा बैठता है तो हम कैसे अपना मुंह फेर लेते हैं, उसका जिंदा उदाहरण हम देखकर आए हैं । महाराष्ट्र के किसानों की अगर हम हालत देखें, मैं जिस क्षेत्र मराठवाड़ा से आता हूं, वहां पिछले तीन सालों से सूखा पड़ रहा था । वहां के किसान बारिश नहीं होने से परेशान थे और सूखे की वजह से कई किसानों ने आत्महत्या की थी और इस बार कुदरत का करिश्मा देखिए कि वहां बारिश हुई और पिछले तीन साल की कसर एक बार में ही पूरी हो गयी । वहां इतनी बारिश हुई कि फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गयी ।

सभापति महोदय, औरंगाबाद जिले से मैं आता हूं । वहां की 48 हजार हेक्टेयर में से 42 हेक्टेयर की पूरी फसल बर्बाद हो गयी है । हम वहां जब जा रहे हैं तो किसानों के सामने अंधेरा छाया हुआ है । किसानों को ऐसा लग रहा है कि हम यतीम हो गए हैं, हमारे ऊपर कोई वाली नहीं है, क्योंकि हकीकत यह है कि महाराष्ट्र में सरकार नहीं है । सरकार किसकी बनेगी, इससे कोई लेना-देना नहीं है । सभी लोगों ने यह मांग की थी, बल्कि हैरानी की बात यह है कि सत्ता में बैठे हुए लोगों ने भी मांग की थी कि 25 हजार रुपये मिलने चाहिए, लेकिन किसानों को महज आठ हजार रुपये दिए गए हैं ।

महोदय, आज महाराष्ट्र के किसान अगर किसी की तरफ उम्मीद लगाए बैठे हैं तो वह आपकी कुर्सी की तरफ उम्मीद लगाए बैठे हैं, क्योंकि आपके पास यह अधिकार है कि आप सरकार को आदेश करें कि आठ हजार रुपये नहीं, हम उद्योगों के मामले में लाखों-करोड़ रुपये हम इंडस्ट्रीज़ का माफ कर रहे हैं, लेकिन किसानों को आठ-दस हजार रुपये देने पर ही अड़े हैं । हम आपसे अनुरोध करते हैं कि किसानों को जल्द से जल्द राहत पहुंचायी जाए ।